

पत्रावली पेश हुई। वही सब तारीफें हो आवाज  
 लगवानी गई। बार-बार आवाज लगवाने पर  
 भी वही सब तारीफें बनिर नहीं आये। अतः  
 पत्रावली को तबकी ही आवाज में  
 आवाज देनी। आवाज बनने में खर्च दिया जाता  
 है। पत्रावली फेंकना शुरू हो कर नष्ट  
 हो कर है। वाचिस बपटा है

10/11/23